



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 17] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 25, 1995/माघ 5, 1916

No. 17] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 25, 1995/MAGHA 5, 1916

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1995

संख्या 13018/17/93-ए.आई.एस. (1) :- भारत के राजपत्र (असाधारण) के भाग 1, खण्ड 1 में दिनांक 24-12-94 को प्रकाशित सिविल सेवाएं परीक्षा, 1995 से संबंधित नियमों में निम्नलिखित संशोधन किया जाए :-

(1) नियम 4 के प्रथम परन्तुक के नीचे निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा :-

“परन्तु आगे यह और भी कि अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, जो अन्यथा पात्र हों, स्वीकार्य अवसरों की संख्या सात होगी।”

(2) निम्नलिखित नियम 6 (ख) में उप-नियम (10) के रूप में जोड़ा जाएगा :-

“अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उक्त उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिये लागू आरक्षण को पाने के लिए पात्र हों।”

2. ये संशोधन 25-1-1995 से प्रभावी समझे जाएंगे।

एस.जे. गुणाशिलन, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th January, 1995

No. 13018/17/93-AIS(I) :—In the Rules for Civil Services Examination 1995 published in Part I, Section 1 of the Gazette of India (Extraordinary) dated 24-12-94 the following amendments may be carried out :—

(i) The following proviso shall be added below the first proviso to rule 4 :—

“Provided further that the number of attempts permissible to candidates belonging to Other Backward Classes, who are otherwise eligible, shall be seven.”

(ii) The following shall be added as sub-rule (x) to rule 6(b) :—

“Up to a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.”

2. These amendments shall be deemed to have come into effect from 25-1-1995.

S. J. GUNASEELAN, Under Secy.